UNIVERSITY OF DELHI

B.Com (Programme) Hindi

Ability Enhancement Course (AEC)

(SEMESTER-I)

based on

Undergraduate Curriculum Framework 2022 (UGCF)

(Effective from Academic Year 2022-23)

List of AEC Courses (Choose one from a pool)

S.No.	Course Title	Nature of Course	Total Credits	Components			Annexures (Contents of the Course and Reference is in)	Eligibility Criteria/ Prerequisite
				L	T	P		
1.	हिन्दी 'क' भाषिक सम्प्रेषण अथवा हिंदी भाषा और व्यवसाय	AEC	2				***Annexure-I***	Studied Hindi upto 12th
2.	हिन्दी 'ख' भाषायी दक्षता एव भाषा कौशल अथवा वाणिज्य और मीडिया लेखन	AEC	2				***Annexure-II***	Studied Hindi upto 10th
3.	हिन्दी 'ग' हिंदी लेखन कौशल अथवा हिंदी भाषा और कंप्यूटर	AEC	2				***Annexure-III***	Studied Hindi upto 08th

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) के अनुरूप

बी.कॉम. पाठ्यक्रम – सत्र 2022 से जारी

AEC - Ability Enhancement Course

योग्यता संवर्द्धक पाठ्यक्रम

सेमेस्टर 1:

1. हिंदी 'क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने बारहवीं कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है ।)

   भाषिक सम्प्रेषण

   अथवा

   हिंदी भाषा और व्यवसाय

2. हिंदी 'ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने दसवीं कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है ।)

   भाषायी दक्षता एवं भाषा कौशल

   अथवा

   वाणिज्य और मीडिया लेखन

3. हिंदी 'ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने आठवीं कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है ।)

   हिंदी लेखन कौशल

   अथवा

   हिंदी भाषा और कंप्यूटर

सेमेस्टर – 1

हिन्दी 'क'

भाषिक सम्प्रेषण

हिंदी 'क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने बारहवीं कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है ।)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- भाषिक संप्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय कराना।
- भाषिक सम्प्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी बताना।
- विद्यार्थी को रोजगार संबंधी क्षेत्रों के लिए तैयार करना।
- विद्यार्थी की भाषा- दक्षता को बढ़ाना।
- हिंदी भाषा को व्यावहारिक बनाने पर बल देना।

शिक्षण–प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes) :

- विद्यार्थी भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत हो सकेगा ।
- समूह चर्चा, परियोजना कार्य के द्वारा आलोचनात्मक क्षमता का विकास किया सकेगा।
- शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है। यह पाठ्यक्रम इस दृष्टि से महत्त्वपूर्ण सिद्ध होगा।
- संप्रेषण के प्रकारों के अध्ययन से विद्यार्थी की बहुआयामी समझ का विकास होगा।

इकाई–1 भाषिक सम्प्रेषण की अवधारणा और प्रक्रिया

- भाषिक सम्प्रेषण का सामान्य परिचय
- सम्प्रेषण के प्रकार (मौखिक और लिखित,अन्तरवैयक्तिक)
- विशेषताएं और सीमाएं

इकाई –2 लिखित सम्प्रेषण

- व्यावसायिक पत्रों का प्रारूप
- नियमित प्रकार के लेखन, बिक्री एवं अभिवृद्धि सम्बन्धी लेखन, विनिमय पत्र, अनुशासनात्मक कार्यवाई संबंधी पत्र
- अनुवर्ती और जवाबी पत्र (Followup)

व्यावहारिक कार्य/भाषा–प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई –3

• व्यापार ,बाजार और बैंक की विशिष्ट अभियक्तियों की सूची तैयार करना

• थोक -मंडी की विशिष्ट अभिव्यक्ति

• व्यापार जनसंपर्क एजेंसियों की विशिष्ट शब्दावली का संकलन और विश्लेषण

इकाई–4

• व्यापार और वाणिज्य पर आधारित भाषिक सम्प्रेषण का मूल्यांकन

• व्यावसायिक पत्र के नमूनों का अध्ययन और विश्लेषण

• व्यावसायिक विज्ञापनों से जुड़े प्रमुख सम्प्रेषण मॉडलों का विश्लेषण

*इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

*परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।

*अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।

*फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. संप्रेषण चिंतन और दक्षता : मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2017

2. कार्यालयी हिंदी : कैलाशनाथ पांडेय , प्रभात प्रकाशन दिल्ली , संस्करण–2018

3. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झालटे , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2010

4.प्रायोगिक हिंदी,संपादक-प्रो. रमेश गौतम, ओरिएंट ब्लैकस्वान प्रकाशन ,संस्करण-2013

5. प्रयोजनमूलक हिंदी की नई भूमिका, कैलाशनाथ पांडेय ,लोकभारती प्रकाशन,संस्करण-2007

6.सम्प्रेषण और संप्रेषणात्मक व्याकरण: विद्यानिवास मिश्र, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान 1988

Teaching Learning Process:

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

Assessment Method:

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

अथवा

हिन्दी 'क'

हिंदी भाषा और व्यवसाय

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी भाषा के सामान्य स्वरूप का परिचय देना।
- भाषाई संप्रेषण की समझ और इसके विभिन्न पक्षों से अवगत कराना
- हिंदी भाषा और व्यवसाय से जुड़े विभिन्न माध्यमों की जानकारी दी जाएगी।
- विद्यार्थी को हिंदी संबंधी रोजगार क्षेत्रों के लिए तैयार करना।

शिक्षण–प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- हिंदी भाषा की सामान्य जानकारी विकसित की जा सकेगी।
- हिंदी भाषा के उद्गम , विकास और विशेषताओं को जाना जा सकेगा।
- राजभाषा के रूप में हिंदी की प्रगति को सुनिश्चित किया जा सकेगा।
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ - साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल सिद्ध हो सकेगा।

इकाई –1 हिंदी भाषा का स्वरूप

- 'हिंदी' भाषा का अर्थ
- हिंदी का महत्व
- हिंदी और व्यवसाय का अंतर्संबंध

इकाई –2 भाषा के विविध रूप

- मौखिक और वाक
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
- सांकेतिक भाषा का महत्व

व्यावहारिक कार्य/भाषा–प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई –3

• कंपनियों का वार्षिक प्रतिवेदन लेखन

• बैठक का कार्यवृत्त लेखन का प्रारूप

• आवेदन लेखन,स्ववृत्त लेखन

इकाई –4

• किसी व्यावसायिक कंपनी की एक बैठक के लिए कार्यवृत्त लेखन

• उत्पाद रणनीति के प्रारूप का मूल्यांकन

• प्रिंट मीडिया अथवा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उत्पाद प्रचार का विश्लेषण

*इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

*परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।

*अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।

*फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. संचार भाषा हिंदी : सूर्यप्रसाद दीक्षित , लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज , संस्करण-2012

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नयी भूमिका : कैलाशनाथ पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, संस्करण-2007

3.प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झालटे , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2010

4.प्रायोगिक हिंदी,संपादक-प्रो. रमेश गौतम, ओरिएंट ब्लैकस्वान प्रकाशन ,संस्करण-2013

Teaching Learning Process:

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

Assessment Method:

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12

हिन्दी 'ख'

भाषायी दक्षता एवं भाषा कौशल

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा संबंधी व्यावहारिक जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है अतः इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। इस पाठ्यक्रम में भाषा कौशल के महत्व को जाना जा सकेगा तथा भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को भी बढ़ावा दिया जा सकेगा।

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- स्नातक स्तर के विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के माध्यम से भाषायी दक्षता और भाषा कौशल का अध्ययन, विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी को व्यावहारिक रूप से सीख कर आत्मविश्वास से पूर्ण अनुभव करेगा।
- भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ व्यावहारिक पक्ष को भी जाना जा सकेगा।
- विद्यार्थी अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषा के मूल्यों को भी जान सकेंगे।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है अतः यह पाठ्यक्रम रोजगार के अवसरों के लिए भी अनुकूल सिद्ध हो सकेगा।

इकाई–1 (भाषायी दक्षता)

- भाषायी दक्षता का अर्थ
- भाषायी दक्षता का महत्व
- मुहावरे,लोकोक्तयों का महत्व

इकाई –2(भाषा कौशल)

- भाषा कौशल का अर्थ
- भाषा कौशल का महत्व
- भाषा कौशल के प्रकार

व्यावहारिक कार्य/भाषा–प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई –3

• सेवा- क्षेत्र अथवा उत्पाद- क्षेत्र के निदेशक मंडल की बैठक के लिए कार्यवृत्त तैयार करना

• बैठक में लिए गए निर्णयों (Minutes) का लेखन

• वाद -विवाद प्रतियोगिता की रिपोर्ट तैयार करना

इकाई –4

• सामूहिक परिचर्चा का अनुभव - लेखन

• निर्धारित तीन हिंदी फिल्मों (पेज 3,कॉरपोरेट, गुरु) के अनुभव का वर्णन

• किसी प्रसिद्ध उद्यमी का साक्षात्कार

*इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

*परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।

*अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।

*फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. भाषा शिक्षण : रवींद्र नाथ श्रीवास्तव , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2016

2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झालटे , वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण-2010

3. संप्रेषण चिंतन और दक्षता : मंजु मुकुल , शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली,संस्करण-2017

4. लिटरेचर एंड लेंग्वेज टीचिंग: गिलियन लजर, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, संस्करण-1993

5. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग, रामप्रकाश, दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण- 1997

6. भाषा शिक्षण: सिद्धांत और प्रविधि : मनोरमा गुप्त, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान , संस्करण-1985

Teaching Learning Process:

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

Assessment Method:

- कुल अंक: 50

- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

अथवा

हिन्दी 'ख'

वाणिज्य और मीडिया लेखन

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

• विद्यार्थी को हिंदी भाषा और वाणिज्य के भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप से समझाना।

• पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी की भाषा दक्षता को बढ़ाना है।

• हिंदी मीडिया ,वाणिज्य और पत्रकारिता की सामान्य जानकारी उपलब्ध कराना।

• यह पाठ्यक्रम रोजगार संबंधी क्षेत्रों के लिए भी अनुकूल है

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

• विद्यार्थी हिंदी भाषा के व्यावहारिक पक्ष से अवगत हो सकेंगे।

• इस पाठ्यक्रम के माध्यम से वर्तमान समय में हिंदी और मीडिया की भूमिका को सुनिश्चित किया जा सकेगा।

• परियोजना कार्य जैसे मीडिया कवरेज आदि के द्वारा आलोचनात्मक क्षमता का विकास किया जा सकेगा।

• वर्तमान समय में शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है अतः यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भ के अनुकूल सिद्ध होगा।

इकाई –1 हिंदी मीडिया

• महत्व

• विविध माध्यम

• हिंदी मीडिया का वाणिज्य क्षेत्र पर प्रभाव

इकाई –2 वाणिज्य क्षेत्र और पत्रकारिता

• प्रबंधन के नए क्षेत्र और हिंदी पत्रकारिता

• कंपनी और मीडिया कवरेज

• कंपनी के छवि निर्माण में मीडिया की भूमिका

व्यावहारिक कार्य/भाषा-प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई –3

• किसी कॉरपोरेट इवेंट की कवरेज तैयार करना

• रियल एस्टेट, शेयर या मार्किट रिस्क सम्बन्धी निवेश के मामले पर पांच से दस मिनट के वीडियो का निर्माण

• किसी कॉरपोरेट संस्थान के प्रचार अभियान का अध्ययन एवं रिपोर्ट निर्माण

इकाई –4

• हिंदी फिल्म बिगबुल,फैशन, कॉरपोरेट का अनुभव एवं वर्णन

• जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, उत्पाद सेवा गारंटी संबधी अध्ययन एवं विश्लेषण

• कंपनी की मीडिया कवरेज का मूल्यांकन

*इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

*परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।

*अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।

*फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. पत्रकार और पत्रकारिता प्रशिक्षण : अरविंद मोहन, सामायिक प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण–2006

2. नए जमाने की पत्रकारिता : सौरभ शुक्ल, विज्डम विलेज पब्लिकेशन दिल्ली,संस्करण–2012

3.मीडिया की भाषा लीला : रविकांत, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण–2016

4..साहित्य और मीडिया का अंत:संबंध–संपादक रतन कुमार पांडेय ,हिंदी बुक सेंटर, संस्करण–2014

5.ब्रेक के बाद, डॉ. सुधीश पचौरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण– 1998

Teaching Learning Process:

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

Assessment Method:

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

हिन्दी 'ग'

हिन्दी लेखन कौशल

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी भाषा के सैद्धांतिक रूप के साथ-साथ उसके व्यवहारिक रूप को समझाना।
- हिंदी से संबंधित रोजगार क्षेत्रों के लिए तैयार करना।
- हिंदी रचनात्मक लेखन की क्षमता को बढ़ाना।
- अपनी भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषागत मूल्यों को जानना और समझना।

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी भाषा के शुद्ध उच्चारण, औपचारिक लेखन से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी में समूह चर्चा ,वाचन,परियोजना कार्य के द्वारा आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है। अनेक चुनौतियों का सामना सशक्त भाषा के माध्यम से ही किया जा सकता है अतः यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भ के अनुकूल सिद्ध हो सकेगा।
- व्यावसायिक लेखन के माध्यम से हिंदी को वैश्विक स्तर प्रदान किया जा सकेगा।
- वाणिज्य क्षेत्र में हिंदी के महत्व का अवलोकन किया जा सकेगा।

इकाई –1 हिंदी भाषा

- 'हिंदी' का अर्थ और महत्व
- वाणिज्य के क्षेत्र में हिंदी की उपयोगिता
- व्यावसायिक लेखन की विशेषताएं

इकाई –2 लेखन कौशल

- अनुच्छेद लेखन
- समसामयिक विषयों पर आधारित निबंध लेखन
- नौकरी के लिए पत्र लेखन, स्ववृत्त

व्यावहारिक कार्य/भाषा–प्रयोगशाला/फील्ड वर्क

इकाई –3

• कक्षा में प्रत्यक्ष अनुभव से जुड़े विविध पक्ष जैसे किसी घटना,दृश्य, पर्यटन, खेलकूद का विवरण प्रस्तुत करना।

• हिंदी की किसी एक बोली का परिचय

• किसी विषय विशेष पर पल्लवन

इकाई – 4

• कक्षा में समूह चर्चा के अनुभव के आधार पर रिपोर्ट तैयार करना

• किसी पाठ का द्रुत वाचन और सार लेखन

• वाक्यगत अशुद्धि शोधन (लगभग 25 वाक्य)

*इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

*परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।

*अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।

*फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1.हिंदी व्याकरण–कामताप्रसाद गुरु, साहित्य सरोवर प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण–2016

2.हिंदी शब्दानुशासन–किशोरीदास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

3.हिंदी भाषा, भोलानाथ तिवारी,किताब महल प्रकाशन, संस्करण–2016

4.व्यावहारिक हिन्दी : रवींद्र नाथ श्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,संस्करण–2016

5.सम्प्रेषण और संप्रेषणात्मक व्याकरण: विद्यानिवास मिश्र, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान , संस्करण–1988

6.कार्यालयी हिंदी : कैलाशनाथ पांडेय , प्रभात प्रकाशन दिल्ली , संस्करण–2018

Teaching Learning Process:

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

Assessment Method:

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक

अथवा

हिन्दी 'ग'

हिंदी भाषा और कंप्यूटर

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी भाषा के तकनीकी क्षेत्र और महत्व का ज्ञान देना।
- कंप्यूटर और हिंदी भाषा से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्यावहारिक पक्ष पर बल देना।
- वर्तमान संदर्भों में प्रौद्योगिकी और उसकी चुनौतियों को जानना और समझना।
- पाठ्यक्रम का उद्देश्य भाषा के व्यावहारिक तथ्यों से अवगत कराते हुए छात्रों को रोजगार परक बनाना है।

शिक्षण प्रशिक्षण प्रक्रिया से अर्जित ज्ञान (Course Learning Outcomes):

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से सीखने -सिखाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा के व्यावहारिक एवं व्यवसाय के अनुरूप रूपों की जानकारी प्राप्त की जा सकेगी।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है इससे संबंधित परिणाम को प्राप्त किया जा सकेगा।
- छात्र भाषा को सीखने की प्रक्रिया में भाषा के मूल्यों को व्यावहारिक रूप में भी जान सकेंगे।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है अनेक चुनौतियों का सामना भाषा के माध्यम से किया जा सकता है अतः यह पाठ्यक्रम रोजगारपरक भी सिद्ध होगा।

इकाई –1 हिंदी भाषा

- कंप्यूटर और हिंदी भाषा
- प्रौद्योगिकी और हिंदी भाषा की चुनौतियां
- हिंदी में प्रमुख सॉफ्टवेयर

इकाई –2 कंप्यूटर और हिंदी

- हिंदी के प्रमुख फॉन्ट
- हिंदी भाषा के विभिन्न कीबोर्ड
- हिंदी की प्रमुख पांच से सात प्रमुख वेबसाइट

व्यावहारिक कार्य/ भाषा प्रयोगशाला/ फील्ड वर्क

इकाई– 3

• कंप्यूटर में हिंदी के विभिन्न फॉन्ट्स का अभ्यास।

• किसी विशेष फॉन्ट में (मंगल,चाणक्य,कृतिदेव आदि) में दैनिक समाचार के व्यापार आधारित पृष्ठ की रिपोर्ट तैयार करना।

• व्यापार और वाणिज्य संबंधी पारिभाषिक शब्दावली का संकलन

इकाई –4

• बैंकों में हिंदी प्रयोग का सर्वे और विश्लेषण एवं इसके भाषिक मूल्यों का संकलन

• बैंकों में हिंदी का प्रयोग करने वाले ग्राहकों से साक्षात्कार

• मार्केटिंग के क्षेत्र में हिंदी के प्रयोग का मूल्यांकन और रिपोर्ट प्रस्तुति

*इकाई 4 में दिए गए विषयों के आधार पर निर्मित फ़ाइल कार्य के विकल्प के रूप में परियोजना कार्य/ अनुवाद कार्य भी किया जा सकता है।

*परियोजना कार्य : न्यूनतम 25 अधिकतम 50 पृष्ठों में विषय से सम्बद्ध शीर्षक पर ।

*अनुवाद कार्य: लगभग 1000 शब्दों में विषय से सम्बद्ध सामग्री का हिंदी भाषा में अनुवाद।

*फ़ाइल कार्य/ परियोजना कार्य/ अनुवाद का परीक्षण बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

सहायक पुस्तकें:

1. कंप्यूटर और हिंदी : हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन,नई दिल्ली , संस्करण–2015

2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग : विजय कुमार मल्होत्रा , वाणी प्रकाशन नई दिल्ली,संस्करण–1998

3. हिंदी भाषा और कंप्यूटर : संतोष गोयल, नटराज प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण– 2021

4.प्रायोगिक हिन्दी – सं रमेश गौतम: ओरिएंट ब्लैकस्वान प्रकाशन, संस्करण -2013

5.आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन ,हिन्दी बुक सेंटर ,संस्करण -2018

6.सोशल नेटवर्किंग: नए समय से संवाद – स. संजय द्विवेदी,यश पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली , संस्करण–2013

7.प्रयोजनमूलक हिन्दी – माधव सोनटक्के: लोकभारती प्रकाशन ,संस्करण -2008

Teaching Learning Process:

- इकाई 1-2 सैद्धांतिक कक्षाओं के लिए
- इकाई 3-4 प्रायोगिक कक्षाओं के लिए

Assessment Method:

- कुल अंक: 50
- लिखित परीक्षा: 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक कार्य/परियोजना कार्य/अनुवाद: 12 अंक